

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०

संसदीय समिति के सदस्यों की राज्यपाल से भेंट

लखनऊ: 09 जुलाई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक से आज राजभवन में लोकसभा उपाध्यक्ष, डा० एम० थम्बी दुरई के नेतृत्व में संसदीय समिति के सदस्यों ने भेंट की। संसदीय समिति में सांसद, श्री वीरेन्द्र कश्यप, सांसद, श्री मो० बदरूदजा खान, सांसद, श्री लखन लाल साहू, सांसद, श्री सत्यपाल सिंह, सांसद, श्री मुकेश राजपूत तथा सांसद, श्री दिलीप पटेल सहित अन्य लोगों ने मुलाकात की।

राज्यपाल ने अपनी भेंटवार्ता में उपाध्यक्ष, लोकसभा को सुझाव दिया कि विद्युत समस्या को दृष्टिगत रखते हुए विद्यालय, पुस्तकालय तथा चिकित्सालय आदि के लिये सांसद निधि से जनरेटर स्वीकृत करने पर विचार किया जाना चाहिये। सांसद निधि उनके प्रयासों से शुरू हुई थी। उन्होंने बताया कि तत्कालीन वित्त मंत्री, श्री मधु दण्डवते के समक्ष उन्होंने प्रस्ताव रखा था जिसे बाद में स्वीकृत किया गया था। महाराष्ट्र में विधायक निधि की शुरुआत भी उन्हीं के द्वारा की गई थी।

श्री नाईक ने बताया कि संसद में वंदेमातरम् गाये जाने तथा बम्बई का असली नाम मुंबई रखे जाने का प्रस्ताव उनके द्वारा दिया गया था। मुंबई के बाद देश के अनेक बड़े शहरों के नाम बैंगलौर से बंगलुरु, मद्रास का चेन्नई, कलकत्ता से कोलकाता आदि नाम बदले गये। अन्य प्रदेशों से आये सांसदों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है और अब तक इस प्रदेश ने देश को 9 प्रधानमंत्री दिये।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव, डा० अनूप चन्द्र पाण्डेय, श्री तपन मित्रा, निदेशक, एमपी लैड्स व अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

